लाभ के लिए किसी योजना के लागू करने पर विचार कर रही है ताकि उन्हें आत्म-निर्भर बनाया जा सके और मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके, और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मूलापल्ली रामचन्द्रन) : (क) जी, हां ।

(ख) उपलब्ध अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार 1990-91 के दौरान देश में कुल मत्स्य उत्पादन 38.36 लाख मीटरी टन हुआ और तदनुरूपी अवधि के दौरान निर्यात किया गया समुद्री उत्पाद 1.38 लाख मीटरी टन था ।

(ग) और (घ) समुद्री मछुआरों के लाभ के लिए सरकार द्वारा फिलहाल क्रियान्वयनाधीन तथा 1991-92 वर्ष के लिए क्रियान्वित किए जाने के लिए प्रस्तावित महत्वपूर्ण उत्पादनोन्मुखी योजनाएं निम्न प्रकार हैं :—

(1) परम्परागत नौकाओं का मोटरीकरण ।

(2) मत्स्य ग्रहण जलयान, जिनकी लम्बाई 20 मीटर से कम हो, द्वारा प्रयुक्त उच्च गति डिजिल तेल पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की प्रतिपूर्ति ।

(3) नान ट्रालर प्रकार की एफ. आर.पी. मत्स्य ग्रहण नौकाओं, जिनकी लम्बाई 12-15 मीटर हो, को चलाकर अपतटीय पेलैजिक मात्स्यिकी संसाधनों का उपयोग करना ।

(4) डोंगा तथा कैटामारान के बदले में प्लाईवूड मत्स्य ग्रहण नौकाओं को चलाना ।

(5) जलीय प्रदेश में समुद्री मत्स्यग्रहण विनियमन अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पैट्रोल चालित नौका प्राप्त करने के लिए समुद्रवर्ती राज्य सरकारों का वित्तपोषण करना ।

इस्पात और लोहे के मूल्यों में वृद्धि

492. श्री राम जेठमलानी

डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रुपये का हाल ही में किए गए अवमूल्यन के परिणामस्वरूप देश में इस्पात और लोहे के मूल्यों में भारी वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह मूल्य-वृद्धि 400 रुपये से 500 रुपये प्रति टन तक हुई है ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस मूल्य-वृद्धि को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और ये कदम मूल्य-वृद्धि को रोकने में कहां तक प्रभावी रहे हैं ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) से (घ) मुख्य उत्पादकों द्वारा उत्पादित और संयुक्त संयंत्र समिति द्वारा प्रशासित लोहे और इस्पात के मूल्यों में अभी हाल में कोई वृद्धि नहीं की गई । कुछ क्षेत्रों में लोहे और इस्पात की कुछ मदों के खुले बाजार मूल्यों में कुछ वृद्धि हुई है परन्तु यह पूर्णतया अवमूल्यन के कारण ही नहीं कहा जा सकता ।

देश में इस्पात का उत्पादन

493. श्री राम जेठमलानी

सरदार बूटा सिंह अरोड़ा :

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 6 अप्रैल 1991 के फाइनेंशियल एक्सप्रैस में "आउटपुट टू बी 5 लाख टन्स शार्ट आफ टारगेट" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;